हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 29 जुलाई 2025

11 खासपुर में तीज मेला आयोजित, प्रतियोगिता में 35 टीमों ने...

12 डॉर्कजोन में नहरी पानी ही सिंचाई व पेयजल का...

खबर संक्षेप

कनीना से 24 वर्षीय युवक लापता

कनीना। कनीना विकास खंड के एक गांव से 24 वर्षीय युवक लापता हो गया। इस बारे में संतोष देवी ने सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका पुत्र विकास पिछले चार दिन पूर्व रात्रि करीब साढ़े नौ बजे बिना बताए कहीं चला गया। परिजनों ने उसके संभावित जगहों पर खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने गुमशुदगी का केस दर्ज कर युवक की तलाश शुरू कर दी है।

पावर हाउस निजामपुर में भंडारा आज

नारनौल। हर वर्ष की भांति 29 जुलाई को खेतड़ी रोड पर स्थित निजामपुर पावर हाउस में हवन के बाद श्री बालाजी महाराज के भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध मे जेई गजराज चौधरी ने बताया कि निजामपुर पावर हाउस के कर्मचारियों व बालाजी महाराज के भक्तजनों की श्रद्धा अनुसार भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इसमें आमजन भी भाग लेकर इसे सफल बना सकते हैं।

मोहनपुर नांगल में गोगा मेला 17 को

कनीना। गांव मोहनपुर नांगल में आगामी 17 अगस्त को जाहरवीर गोगाजी के धार्मिक मेले का आयोजन किया जाएगा। इस बारे में ग्राम सरपंच जीतराम ने बताया कि मेले में खेलकूद प्रतियोगिता करवाई जाएगी। वहीं भंडारे का भी आयोजन होगा। मेले की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं।

मुंडियाखेड़ा में बाबा बरखंडी का मेला 6 को

कनीना। गांव मुंडियाखेड़ा में आगामी छह अगस्त को बाबा बरखंडी की स्मृति में मेले व भंडारे का आयोजन किया जाएगा। इस बारे में प्रधान बंसीलाल ने बताया कि पांच अगस्त रात्रि को जागरण होगा। कुश्ती व कबड्डी के अलावा लड़के व लड़कियों की दौड़ भी करवाई जाएगी। जिसमें विजेता व उपविजेता टीमों को नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। मेले के मुख्यातिथि भाजपा नेता प्रो. रोशन लाल होंगे। अतिथि सुरेश मुनी उपस्थित रहेंगे।

आईटीबीटी का जवान धर्मवीर सिंह शहीद, पीछे छोड़ गए छह माह की गर्भवती पत्नी व दो बच्चे

- 18 साल पहले आईटीबीटी में हुआ था भर्ती, विधायक ओमप्रकाश यादव ने नमन कर परिवार के प्रति प्रकट की संवेदना

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीटी) में तैनात जवाब धर्मवीर सिंह के साथ मसूरी से दवाई लाते समय ड्यूटी के दौरान सहारनपुर के पास हादसा हो गया। वहां अस्पताल में उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। उनके शव को सोमवार पैतृक गांव ढाणी बास किरारोद लाया गया। वहां पूरे सम्मान के साथ शहीद धर्मवीर सिंह के शव का अंतिम संस्कार किया गया। जवान के बेटे ने शहीद को मुखाग्नि दी। शहीद की पत्नी गर्भवती है। उसके पेट में छह माह का बच्चा पल रहा है।

जानकारी के मुताबिक गांव ढाणी बास किरारोद वासी 40 वर्षीय धर्मवीर सिंह साल 2009 में आईटीबीपी में लगा था। वह जीडी कॉन्स्टेबल पद पर रामगढ़ में कार्यरत था। इसी तैनाती के दौरान वह मसूरी एकेडमी से अटैच भी था। मसूरी से दवाई लाते समय सहारनपुर के पास हादसा हो गया। इस दौरान अज्ञात वाहन ने उसको टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल अवस्था में उनको सहारनपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां पर इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। धर्मवीर ने करीब 16 साल देश सेवा को दिए है।

शहीद धर्मवीर सिंह

नारनौल। गाड़ी से शहीद के शव को उतारते व शोकाकुल परिवार। फोटो : हरिभूमि

एक बेटा व एक बेटी, तीसरी संतान गर्भ में पल रही

शहीद धर्मवीर सिंह दो बच्चों का पिता था। उसकी पत्नी पिंकी करीब छह माह से गर्भवती है। धर्मवीर का बड़ा बेटा अंश 13 साल का है। वह आठवीं में पढ़ता है। बेटी अंशिका 11 साल की है, वह कक्षा छठी में पढ़ती है। दोनों निजी स्कूल में शिक्षा ग्रहण कर रहे है। वहीं शहीद के माता पिता दोनों का पहले ही निधन हो चुका है। शहीद के दो भाई है। एक भाई नरेंद्र योगा अध्यापक है। दूसरा भाई अजय कुरूक्षेत्र यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर पद पर कार्यरत है।

अंतिम संस्कार में शहीद के सम्मान में गूंजे नारे

शहीद का पार्थिव शरीर गांव से पहले गांव लहरोदा पहुंचा। वहां से शहीद सम्मान यात्रा शुरू हुई जो शहीद के पैतृक गांव बास तक पहुंची। इस यात्रा में सैकड़ों की संख्या में लोग पहुंचे और भारत माता के जयकारे लगा शहीद के सम्मान में भी नारे लगाए। वहां लोगों की आंखें नम दिखाई दी। वहीं शहीद के अंतिम संस्कार में नारनौल के विधायक ओमप्रकाश यादव भी पहुंचे। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। विधायक ने कहा कि उनकी शहादत पर हमें गर्व है। इस अमर सपूत ने देश की सेवा में अपना जीवन बलिदान कर दिया। ईश्वर परिवार को यह दुख सहन करने की शक्ति दें। शहीद की अंत्येष्टि में शामिल होने वाले लोगों में स्थानीय प्रशासन के अधिकारी, आईटीबीपी के जवान, और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग शामिल थे।

प्रशासन को हर स्तर पर दी शिकायत, समाधान करने को तैयार नहीं

नदी की तरह शहर की गलियों में बह रहा सीवरेज का गंदा पानी

- मोतीनगर की पक्की सड़कों पर घरों के बाहर बह रहा सीवेरज हॉल से गंदा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

मोतीनगर की गलियों में सीवरेज का गंदा पानी नदी की तरह बह रहा है। प्रशासन को हर स्तर पर शिकायत दी गई है, लेकिन समाधान करने को कोई तैयार नहीं है। पक्की सड़कों पर घरों के बाहर सीवेरज हॉल से गंदा पानी बह रहा है। शिकायतें हुई, लेकिन सुनवाई नहीं। मोतीनगर वासियों ने विधायक से लेकर सीएम तक, नगर परिषद चेयरपर्सन से लेकर डीसी तक की शिकायत की, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। मानवाधिकार आयोग को भी पत्र लिखा गया, लेकिन छह से सात साल पुरानी इस समस्या का कोई समाधान नहीं हो पाया है। जिससे लोग बदबूदार पानी पीने को मजबूर हैं और बच्चों में पिलिया बीमारी की भी शिकायत है। ऐसे में यह समस्या बहुत गंभीर बनी हुई है। जिसकी तुरंत समाधान की जरूरत है।

मोतीनगर वासी ओमप्रकाश यादव, हरिसिंह मास्टर, जगदीश वर्मा, पूर्व पार्षद धर्मवीर, लीलाराम, रनबीर सिंह, डॉ. मनीष, जितेंद्र शर्मा, संदीप सिंह आदि ने बताया कि इस बारे में वार्ड पार्षद को साथ लेकर विधायक को शिकायत की गई, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। वहीं प्रदेश के मुख्यमंत्री को भी पत्र के माध्यम से शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ।

इसके बाद नप चेयरपर्सन व समाधान शिविर में भी तीन समस्या के समाधान की मांग को लेकर शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन कोई अधिकारी समस्या का समाधान नहीं करवा पाया है। लोगों ने परेशान होकर मानवाधिकार आयोग को भी पत्र लिखा गया, इसके बाद भी आज तक समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया है।

नारनौल। मोतीनगर में सीवरेज हॉल से निकलता गंदा पानी व मोतीनगर में सड़क पर बहता सीवरेज का गंदा पानी व गुजरते बाइक सवार। फोटो : हरिभूमि

क्या कहते है मोतीनगर के निवासी

इस समस्या से मोहल्ला वासी बहुत परेशान हैं। प्रशासन को कई बार लिखित में शिकायत की गई है, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ। बच्चे बीमार हो रहे हैं और हमें बदबूदार पानी पीना पड़ रहा है।

-धर्मवीर पूर्व पार्षद

मोहल्ला वासी में प्रशासन से बहुत नाराज है। प्रशासन अधिकारियों ने शिकायतों को नहीं सुना और समस्या का समाधान नहीं किया। जिससे लोग बहुत परेशान हैं। लोगों की समस्या को देखते हुए प्रशासन को समस्या का जल्द से जल्द समाधान करवाना चाहिए। जिससे लोगों को राहत मिल सके।

-जगदीश वर्मा, मोतीनगर निवासी

इस समस्या को लेकर स्थानीय लोग बहुत चिंतित हैं। बच्चों को स्कूल जाने व आने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बदबूदार पानी से बच्चे बीमार हो रहे है। प्रशासन से मांग करते हैं कि इस समस्या का समाधान तुरंत किया जाए।

-ओमप्रकाश यादव, मोतीनगर निवासी

नारनौल। उपायुक्त से मिलने आए गांव जोरासी के ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

लीज पर दी पहाड़ी, मुकंदपुरा के ग्रामीणों ने जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

गांव मुकंदपुरा के साथ लगती जोरासी की पहाड़ी को लीज पर देने पर ग्रामीणों ने रोष जताया है। इस संबंध में सोमवार को मुकंदपुरा के ग्रामीणों ने अतिरिक्त उपायुक्त को ज्ञापन भी सौंपा। जिसमें कहा कि अमरपुर जोरासी की पहाड़ी के साथ लगती जमीन पर मुकंदपुरा के अनुसूचित जाति परिवार के लोग काफी साल से अपने मकान बनाकर रह रहे है और खेती भी कर रहे, लेकिन अमरपुर जोरासी की पहाड़ी को सरकार ने बिना कोई उचित जांच किए ही लीज पर दे दी। जिस वजह से अनुसूचित जाति के परिवार का जीना मुश्किल हो गया है।

पहाड़ी को लीज पर देने से परेशान अनुसूचित जाति मुकंदपुरा के काफी लोग एकत्रित होकर समाधान शिविर में पहुंचे और मांग पत्र अतिरिक्त उपायुक्त को सौंपा। जिसमें कहा कि रिहायशी इलाके में पत्थर तोड़ने के लिए पहड़ी को लीज पर देना सरासर गलत है व नियम के खिलाफ है। ग्रामीणों ने कहा कि पत्थर तोड़ने का कोई उचित समय नहीं है। जिस वजह से परिवार के लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बच्चों की पढ़ाई लिखाई बाधित होती है और धुल मिट्टी उड़ने से फसल भी बर्बाद हो रही है।

मनुष्य का जीवन खतरे में पड़ रहा है। पहाड़ी पर पत्थर तोड़ते समय पत्थर उनके घरों में आकर गिर रहे है। ऐसे में परेशान परिवार वालों ने लीज को रद्द करवाने के लिए पुलिस व उच्च अधिकारियों को शिकायत भी दी, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। ज्ञापन देने वालों में कर्णसिंह, कंवर सिंह, रोहतास, प्रमोद कुमार कटारिया, सावित्री देवी, हंसा देवी, आशा देवी, प्रेम यादव, देशराज पालीवाल, सरताज, अमिलाल, रामोतार, श्रीराम, सत्यवीर पोसवाल, नरेश कुमार, कामरेड सुभाषचंद्र एडवोकेट शामिल थे।

हार्ट फेल होने से श्रमिक की मौत

मंडी अटेली। *हार्ट फेल होने से एक श्रमिक की मौत हो गई। अटेली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर सोमवार को स्वजनों को सौंप दिया। मिली जानकारी के अनुसार गांव सैदपुर निवासी हंसराज को रविवार को हार्ट में दिक्कत आने पर उसे अस्पताल में दाखिल करवाया, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया। ग्रामीण अनूप सिंह ने बताया कि वह 46 वर्ष का था तथा मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार को चलाता था। वह अपने पीछे तीने बच्चे छोड़ कर चला गया है तथा गरीब परिवार से संबंध रखता है। जिला उपायुक्त उसके परिवार को सहायता राशि प्रदान करें, ताकि उसके बच्चों का गुजारा हो सके।*

कुएं में गिरने से व्यक्ति की मौत, पुलिस ने निकलवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

प्रातःकाल को लोगों ने एमएएसडी स्कूल के नजदीक मंदिर के साथ बने कुएं में एक व्यक्ति का शव पड़ा हुआ देखा तथा इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला और उसे पोस्टमार्टम के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवा दिया। मृतक की पहचान शहर के मोहल्ला बावड़ीपुर निवासी करीब 52 वर्षीय राजेंद्र कुमार वाल्मीकि के रूप में हुई है। जानकारी मुताबिक राजेंद्र रविवार से गायब था और वह रात्रि को घर नहीं पहुंचा था। सुबह उसका शव जब कुएं से निकाला तो उसकी पहचान राजेंद्र के रूप में हुई। मृतक अपने पीछे तीन लड़की एवं दो लड़के छोड़ गया है। बताया जा रहा है कि राजेंद्र का मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। पुलिस ने परिजनों के बयान पर इत्तेफाकिया हादसे की कार्रवाई करने उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया।

नारनौल। कुएं से शव निकालने उपरांत जमा भीड़। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। अधिकारियों की बैठक लेते डीसी डॉ. विवेक भारती। फोटो : हरिभूमि

जिले के 36 केंद्रों पर होगी हरियाणा पात्रता परीक्षा

30 को महेंद्रगढ़, 31 को नारनौल व महेंद्रगढ़ में होगी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- हरियाणा पात्रता परीक्षा को लेकर डीसी ने ली बैठक

हरियाणा पात्रता परीक्षा (एचटेट) की तैयारियों को लेकर सोमवार को उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने पंचायत भवन में अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में परीक्षा के सफल और सुचारु संचालन के लिए विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए गए। इस अवसर पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट व सेंटर अधीक्षक को जिम्मेदारियां समझाई गई।

उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने बताया कि हरियाणा पात्रता परीक्षा का आयोजन 30 व 31 जुलाई को किया जाएगा। सुबह की पारी 10 बजे शुरू होगी। शाम को तीन बजे से शुरू होगा। जिले में 36 केंद्र बनाए गए हैं। इनमें महेंद्रगढ़ में 26 तथा नारनौल 10 केंद्र हैं।

उन्होंने बताया कि 30 जुलाई को केवल महेंद्रगढ़ में होगा, जिसमें शाम की शिफ्ट में ही पेपर होगा। यहां 6485 परीक्षार्थी होंगे। 31 जुलाई को महेंद्रगढ़ में सुबह 8112 तथा शाम को 3791 परीक्षार्थी होंगे। नारनौल में सुबह 3120 तथा शाम पेपर नहीं होगा। संबंधित एसडीएम अपने क्षेत्रों के नोडल अधिकारी होंगे। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान किसी भी परीक्षार्थी को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। उन्होंने विशेष रूप से पिछले सीईटी परीक्षा का उदाहरण देते हुए कहा कि जिला प्रशासन ने इस परीक्षा को भी सफलतापूर्वक संपन्न करवाएगा।

उन्होंने कहा कि एचटेट को भी उसी दक्षता और समर्पण के साथ आयोजित किया जाना चाहिए। इस अवसर पर परीक्षा संबंधी विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और आवश्यक रणनीति बनाई।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ, महेंद्रगढ़ की एसडीएम कनिका गोयल, एसडीएम अनिरुद्ध यादव, नगराधीश डॉ. मंगल सेन, सीएमओ डॉ. अशोक कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सुनील दत्त यादव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

जानकारी आटो मार्केट के समीप दो एकड़ में बनाया जाएगा नपा का नया भवन

गत माह नगर पालिका ने लगाया था टेंडर

5 करोड़ की लागत से बनेगा नपा का नया कार्यालय, एजेंसी को वर्क आर्डर जारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

शहर के आटो मार्केट के समीप नपा का नया कार्यालय में बनाया जाएगा। दो एकड़ में बनने वाले नए कार्यालय में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत आएगी। नपा की ओर से हायर की गई एजेंसी को वर्क ऑर्डर जारी कर दिया है। नपा के अधिकारियों का दावा है कि अगले माह नए भवन का निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा।

फिलहाल नगर पालिका कार्यालय शहर के मुख्य बाजार में स्थापित है। ऐसे में बाजार में दुकानों के सामने सामान रखने से अतिक्रमण के चलते अधिकारी, कर्मचारी व जनप्रतिनिधियों को आवागमन में परेशानी बनी रहती है। साथ ही पार्किंग के अभाव वाहन परिसर के अंदर खड़े होने से आमजन के कार्यालय संबंधी कार्य प्रभावित होते है। वहीं नगर पालिका का भवन छोटा होने के कारण कर्मचारियों को परेशानी उठानी पड़ रही है। अब नए भवन के बनने से स्टाफ व पार्षदों को बैठने की पर्याप्त व्यवस्था होगी। साथ ही अतिक्रमण व वाहन पार्किंग की समस्या से निजात भी मिल पाएगी।

महेंद्रगढ़। नगर पालिका का प्रवेश द्वार। फोटो : हरिभूमि

टेंडर प्रक्रिया पूरी

नगर पालिका के प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि टेंडर संबंधित सभी प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी है। एजेंसी का वर्क आर्डर भी जारी किया जा चुका है। अगले माह नए भवन का निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। नए भवन के निर्माण में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत आएगी।

वर्ष 1993 में हुआ नगर पालिका भवन का निर्माण

महेंद्रगढ़ नगर पालिका प्रदेश सबसे पुरानी नगर पालिकाओं में से एक है। इसके भवन का निर्माण वर्ष 1993 में हुआ था। फिलहाल नगर पालिका में 15 वार्ड है। इसके अलावा दो पार्षद राज्य सरकार की ओर से मनोनीत है। नगर पालिका को 29 साल बाद अपना नया भवन मिलेगा। इसके लिए पालिका प्रशासन ने तैयारी शुरू कर दी है। वर्ष 1993 में बनी इस इमारत में काफी कमियां आ चुकी हैं। वहीं भवन छोटा होने के कारण कर्मचारियों को भी काफी परेशानी उठानी पड़ रहीं है। नया भवन बनने के बाद आमजन के साथ-साथ नगर पालिका के कर्मचारियों को भी काफी राहत मिलेगी।

केवल आठ कमरों में चल रहा है भवन

वर्तमान में शहर में करीब 21 हजार वोट है, जबकि शहर की आबादी करीब 60 हजार है। वहीं नगरपालिका भवन मात्र आठ कमरे है। जो नाकाफी है। वहीं केवल पार्षदों की मीटिंग हॉल भी छोटा है। जिससे नगर पालिका की बैठक के समय काफी परेशानी आती है। नया भवन मिलने के बाद काफी सहूलियत होने वाली है।

छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
haribhoomi.com

रोहतक, मंगलवार
29 जुलाई 2025

हरिभूमि सहेली

विशेष : मित्रता दिवस
3 अगस्त

सावन में सहेलियों का साथ एक अलग तरह की खुशी देता है। सहेलियां मिलेंगी तो पुरानी यादों का झरोखा भी खुलेगा, ठंडी हवा की तरह तन-मन को पुलकित करेगा। सहेलियों का मिलते रहना बहुत जरूरी है, यह जीवन की नीरसता को छांटता है, भीतर उत्साह-उमंग भरता है, ऊर्जावान बनाता है। एक तो सावन, ऊपर से मित्रता दिवस का अवसर हो तो अपने मैत्री भाव की पेंगे जरूर भरिए।

सहेलियों का ना बिसरने वाला मैत्री भाव

आवरण कथा
मोनिका शर्मा

सावन की रिमझिम में हर स्त्री का मन अपनी सखियों को याद करता है। इस हरियल मौसम में उनका दिल उम्र के कुछ पड़ाव पीछे चला जाता है। आज की आपा-धापी में सखियों संग खिलखिलाती कल के दौर की एक लड़की स्त्रीमन में दस्तक देती है। भूला-सा कुछ स्मरण हो आता है। स्नेह के सरस भाव से बंधी डोर कुछ प्यारे लम्हों को दिलो-दिमाग में बांध लेती है। अनुभूतियां ठहर-सी जाती हैं। जो संग-साथ के अनमोल पलों को याद करने की ओर मोड़ती हैं। साथ ही यह भी याद दिलाती हैं कि जीवन के हर दौर में सहेलियों का साथ जरूरी है। अपने करीबी रिश्तों-नातों से परे मन से जुड़ने वाले चेहरों संग प्रेमिल भावों को पोसने की सोच हमेशा रखनी चाहिए। ऐसे भाव जीवन से जोड़ते हैं और सदा जोड़े रखते हैं।

स्मृतियों का सुख

असल में स्मृतियों का अपना सुख है। सहेलियों के साथ बीते समय का अपना आनंद है। यादों में दस्तक देती दोस्ती, चेहरे पर मुस्कुराहट ले आती है। आंखों में एक स्नेहपूरित चमक उतरने लगती है। मुस्कुराहटों के साझेपन का उल्लास सावन में झरती बूंदों सा आंखों से बहने लगता है। साथ झूला झूलने वाली सहेलियां, तीज-त्योहार साथ मनाने वाली सखियां भी याद

आती हैं। सहपाठी सहेलियों के साथ जीए आत्मीय पल और बचपन की खिलखिलाहट फिर लौट आती है। आखिर जीवन के सबसे प्यारे पड़ाव पर एक दूजे को चिढ़ाना और शरारतें करना, अपना मन कैसे भूल सकता है? मायके की यादों वाली पोटली में एक हिस्सा तो सहेलियों का ही होता है। औपचारिकताओं से परे यह सुख आत्मा की गहराई से जुड़ा होता है। तभी तो संजीवनी बन हमेशा मन को पोषण देता स्त्रियों का मैत्री भाव, पारिवारिक संबंधों से भी बढ़कर होता है। दुनियावी रीत निभाते हुए सखियों के रास्ते अलग हो जाते हैं। घर-बार बसाने के लिए सबकी अपनी-अपनी राह होती है। शहर क्या देश तक बदल जाते हैं। हां, वे मित्रता की अनमोल निधि को अपने साथ लाना नहीं भूलतीं। नए संसार में कभी ना रीतने वाले इसी खजाने से निकले खुशियों के पल उनके सहभागी होते हैं।

समाज से जुड़ा सखी भाव

स्त्रियों की संवेदनाएं स्वयं तक ही सिमटकर नहीं रहतीं। अपनी सखियों संग बना निश्छल नेह के नाते का यह जुड़ाव व्यक्तिगत चाहतों से ही नहीं, समाज-परिवार के दायित्वों से भी जुड़ा होता है। मेलजोल के समय उनकी बातों में परिवेश की चिंता भी होती है। कई स्त्रियां तो समाज की साझी समस्या का हल तलाशने के दौर में ही सहेली बनती हैं। उनका मन ही नहीं, विचार भी मिलते हैं। तर्क से ज्यादा भावनाओं के धरातल पर जीवन जीना हर स्त्री का नैसर्गिक गुण होता है। बस, मन जुड़ गया तो जुड़ गया। मित्रता के मार्ग में महिलाओं का मन नाप-तौल कर डग नहीं भरता। खुशी, उत्साह और उमंग समेटने का भाव सबसे ऊपर होता है। एक-दूजे के जज्बातों को समझना सबसे अहम होता है। शिकायतों के पुलिंदे भी अधिकार से खोले जाते हैं। स्त्रियों की दोस्ती के इंद्रधनुष में इंसानी जीवन का सतरंगी अंदाज पूरी ठसक से मौजूद रहता है।

तकनीकी से जुड़ते मन के तार

आभासी संसार ने पीछे छूटी अनुभूतियों से जोड़ने का काम किया है। तकनीकी मंचों पर अपनी खोई सखियों को ढूंढकर स्त्रियां बच्चों सी खिलखिलाती हैं। मानो खुद से ही फिर मुलाकात हुई हो। स्थिर से हो चले जीवन में एक हलचल सी महसूस होती है। भाव-विभोर हो अपने बच्चों, अपनी सखियों की तस्वीरें दिखाती हैं। समय के साथ बदलावों को लेकर कभी हैरान होती हैं तो कभी संयत हो जीवन के उतार-चढ़ाव के विषय में सोचने लगती हैं। जैसे मुड़कर देखती हों, ठहर कर सोचती हों। भूला-बिसरा सा फिर कुछ समेट लेना चाहती हों। उस दौर की बेरोक-टोक सी उजली हंसी अपने पल्लू की गांठ

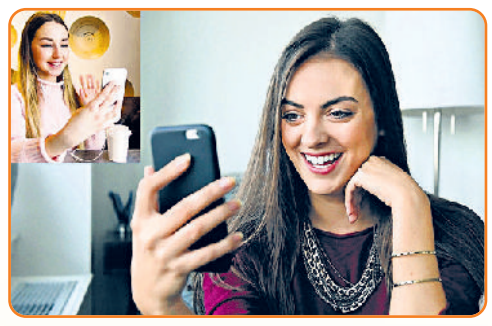

में बांध लेना चाहती हों। उसी आंगन में जाकर चहकना चाहती हों, जहां उनका बचपन बीता। बचपन, जिसका सबसे अहम हिस्सा तो सहेलियों के संग जिए लम्हे ही रहे। कितने सावन और वसंत इस यात्रा का हिस्सा रहे। वर्षों बाद आभासी संसार में जुड़ने भर से यह लगाव-चाव मन पर मौसम की घटाओं की तरह छाने लगता है। यह हमें आह्लादित कर देता है।

बच्चों के लिए भी जरूरी है दोस्ती

बच्चे हों या बड़े, हर किसी के जीवन में दोस्त बहुत मायने रखते हैं, दोस्ती का बहुत महत्व होता है। दोस्त बनाने की कला, उनकी महत्ता को समझने और पूरी गंभीरता से दोस्ती निभाने का पाठ बच्चे अपने घर-परिवार से ही सीखते हैं। इसलिए सभी पैरेंट्स को इस बारे में कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

परवरिश
सरस्वती रमेश

यह सही है कि बड़ों से अलग बच्चों की अपनी मासूम और प्यारी सी दुनिया होती है। इसमें घर-परिवार के सदस्यों के अलावा स्कूल में उनके संग पढ़ने वाले और आस-पड़ोस के दूसरे बच्चे भी शामिल होते हैं। यही उनके दोस्त बनते हैं, जिनके साथ वे खेलते हैं, खाते हैं, पढ़ते हैं, मस्ती करते हैं। कभी-कभी एक-दूसरे से रूठ जाते हैं फिर मनाते भी हैं। बच्चों की ये दोस्ती बहुत प्यारी होती है। बच्चे दोस्ती के मूल्य को समझें और उसे भावी जीवन में अच्छी तरह निभाएं, इसके लिए शुरुआत से ही पैरेंट्स को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

बच्चे की भावनाओं को समझें: कई पैरेंट्स बच्चों की दोस्ती की भावना को लेकर गंभीर नहीं होते हैं। इससे उनके कोमल मन को चोट लग सकती है। जैसा राजू के साथ हुआ। दरअसल, राजू और सोनू बेस्ट फ्रेंड हैं। सोनू की बर्थ-डे पार्टी में जाने के लिए राजू कई दिनों से बहुत उत्साहित था। सोनू का घर राजू के घर से कुछ दूरी पर है, इसलिए वह अकेला नहीं जा सकता था। सोनू के बर्थ-डे पार्टी वाले दिन राजू ने अपनी मम्मी से सोनू के घर पहुंचाने के लिए कहा। लेकिन उसकी मम्मी ने मना कर दिया क्योंकि उन्हें पड़ोस में किटी पार्टी में जाना था। अपने बेस्ट फ्रेंड की बर्थ-डे पार्टी में न जा पाने से राजू बहुत उदास हो गया। उसने अपने हाथों से सोनू को गिफ्ट देने के लिए प्यारा सा ग्रीटिंग कार्ड भी बनाया था। यह बात आपको छोटी सी लग सकती है लेकिन समझने वाली बात यह है कि बचपन की ऐसी मासूम दोस्ती से बच्चों का गहरा जुड़ाव होता है। यह जुड़ाव उनके भीतर भावनाओं और आपसी संबंधों के बीज बोता है। ये छोटी-छोटी खुशियां ही उनके मानसिक विकास और व्यक्तित्व निर्माण की पूंजी होती हैं। उन्हें इन खुशियों से महरूम करना ठीक नहीं। उन्हें दोस्तों के घर आने-जाने दें, उन्हें एक-दूसरे की खुशियों में शामिल होने दें। इससे आगे चलकर भी वे दोस्ती की महत्ता समझेंगे, उन्हें सामाजिकता का बोध होगा।

साथ खेलने दें: बच्चों की सबसे ज्यादा दोस्ती खेलने के दौरान ही होती है। लेकिन कुछ पैरेंट्स अपने बच्चों को हर समय घर के भीतर ही रखते हैं। उन्हें बच्चों के कपड़े, जूते या हाथ गंदे होने और फिर बीमार होने या गलत सोहबत में पड़ने का भय सताता है। यह नहीं भूलना चाहिए कि बच्चे साथ खेलने से परिवार के बाहर के लोगों से आत्मिक व्यवहार करना सीखते हैं। उनके साथ तालमेल बैठाना, बातचीत करना, शेयर करना, हारना-जीतना और छोटे-मोटे विवाद को निपटाना भी बच्चे दोस्तों के संग खेलने के दौरान ही सीखते हैं। ये सब बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए जरूरी होता है।

प्यार से समझाएं: अकसर बच्चे खेलते-खेलते आपस में झगड़ भी पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में बच्चे को दोस्त और दोस्ती के महत्व को प्यार से समझाना चाहिए, उनके बीच फिर से मेल कराने का प्रयास करना चाहिए। पुरानी बातों को याद दिलाकर अपने बच्चे के उस दोस्त की अच्छाइयों को बताना चाहिए। भूलकर भी बच्चों के आपसी विवाद में उनके पैरेंट्स से शिकायत नहीं करनी चाहिए और ना ही उनके घर झगड़ने जाना चाहिए।

मदद करना भी सिखाएं: अगर आपका बच्चा आपको बताता है कि उसका कोई दोस्त कई दिनों से स्कूल नहीं आ रहा है तो पता करने की कोशिश कीजिए कि क्या बात है? हो सकता है वो बीमार हो या उसके घर में कोई परेशानी आ गई हो। संभव हो तो अपने बच्चे के साथ उसके घर जाइए। अगर वो बीमार है तो इसका मतलब है स्कूल में पढ़ाए जाने वाले उसके चैप्टर छूट रहे होंगे। ऐसे में आप अपने बच्चे को प्रेरित करिए कि ठीक होने पर कोर्स पूरा करने में वह अपने दोस्त की जरूर मदद करे। इससे बच्चा समझेगा कि संकट के समय अपने दोस्तों की हर संभव मदद करनी चाहिए।

जब मौका हो फ्रेंडशिप-डे का तो आप अपनी सबसे प्यारी सहेली को कुछ यूनिक और स्पेशल गिफ्ट जरूर देना चाहेंगी। इस बार कुछ ऐसा दें, जो स्टाइलिश हो और आपकी फ्रेंड को स्पेशल भी फील कराए। जानिए, गिफ्ट के कुछ ऐसे ही यूनिक आइडियाज।

बेस्ट फ्रेंड को दें स्पेशल गिफ्ट

आइडिया
श्वेता आयंगर

उपहार हमारी भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम होता है। कई मौकों पर हम उपहार के जरिए ही अपनी भावनाओं को प्रकट कर पाते हैं। तो फिर आने वाले फ्रेंडशिप-डे पर अपनी बेस्ट फ्रेंड से दोस्ती के अनमोल रिश्ते को और भी मजबूत बनाने के लिए आप कुछ खास उपहार देकर इस दिन को यादगार बना सकती हैं। जरूरी नहीं आपका गिफ्ट बहुत कीमती हो, लेकिन उसमें आपकी दोस्ती की फीलिंग झलकनी चाहिए।

संजोकर दें खूबसूरत यादें: आप अपनी फ्रेंडशिप पीरियड की यादें जैसे बचपन, स्कूल, कॉलेज, साथ में बिताए पलों से जुड़ी तस्वीरें लेकर उनका सुंदर-सा कोलाज बनाकर या वीडियोज बनाकर अपनी फ्रेंड को तोहफे के रूप में दे सकती हैं। ये यादें आपकी सहेली के लिए बेहद खास होंगी। इसके अलावा पर्सनलाइज्ड फोटो क्लॉक, डिजिटल फोटो फ्रेम, मेमोरी बुक या पिक्टोरियल मग आदि भी दे सकती हैं। हालांकि ये काफी पॉपुलर हैं लेकिन आपकी फ्रेंड को स्पेशल फील कराएंगे।

हुनर से सजा दें गिफ्ट: अगर आप थोड़ी क्रिएटिव हैं तो आप अपने हाथों से अपनी सहेली के लिए कार्ड, ब्यूटीफुल बैंड्स, रेजिन आर्ट की-चेन या कोस्टर आदि बनाकर उन्हें दे सकती हैं या अगर आप कुकिंग में एक्सपर्ट हैं तो उसकी पसंद की कोई डिश अपने हाथों से बनाकर खिला सकती हैं। अगर आपको कढ़ाई-बुनाई अच्छी तरह आती है, तो प्यारा सा स्टॉल, स्कार्फ, एक रूमाल का सेट (जिस पर दोस्त के नाम का पहला अक्षर उकेरा हो) भी डिजाइन करके दे सकती हैं। माना यह काफी पुराने तरीके हैं, लेकिन आज भी पसंद किए जाते हैं। क्योंकि इस तरह के तोहफे आपकी दोस्ती के रिश्ते को और प्यारा-अटूट बना देंगे।

दे सकती हैं एसेसरीज: फ्रेंडशिप-डे पर अपने फ्रेंड को गिफ्ट में एसेसरीज देना भी अच्छा ऑप्शन है। आप अपनी बेस्ट फ्रेंड को कुछ अट्रैक्टिव-स्टाइलिश एसेसरीज गिफ्ट में देना चाहती हैं तो आप कुछ अलग तरह के एसेसरीज को चूज करें। इसमें आप फ्रेंडशिप बैंड्स, ब्रेसलेट, ईयर रिंग्स, लॉकेट, पेंडेंट, बेल्ट, पर्स, बैग्स, हेयर एसेसरीज आदि गिफ्ट के तौर पर दे सकती हैं। ये आजकल स्टाइल स्टेटमेंट भी माने जा रहे हैं। इन्हें आपके फ्रेंड्स डेली यूज से लेकर पार्टी जैसे ऑकेजन में भी आसानी से कैरी कर सकते हैं। वहीं इनमें खास बात यह भी है कि इन एसेसरीज की डिजाइन को आप अपने दोस्त की पसंद के अनुसार भी कस्टमाइज करवा सकती हैं। यकीन मानिए, इस तरह के तोहफे आपके फ्रेंड को बहुत पसंद आएंगे।

प्रेम भरी पाती: आपके बेस्ट फ्रेंड के लिए सबसे अच्छा उपहार यह भी हो सकता है कि आप उसके लिए अपने मन की बात, कविता, फ्रेंडशिप से जुड़ी यादें, सब कुछ एक लैटर में लिखकर दे सकती हैं। आजकल मार्केट में कई तरह के खूबसूरत वुडेन लेटर होल्डर भी मिलते हैं। जिस पर नक्काशी किए हुए स्टैंड में एक खाली लैटरनुमा शीट होती है। यह खुशबूदार होता है। इस पर आप अपने दोस्त को संदेश लिखकर दे सकती हैं। इसके अलावा प्यारे बॉक्स भी आते हैं, जिसमें आप लैटर रखकर अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। इसे देखकर आपके दोस्त के चेहरे पर मुस्कान आ जाएगी। मोबाइल और इंटरनेट के इस युग में आपका दिया इस प्रकार का प्यारा और भावनाओं से भरा तोहफा यकीनन आपके दोस्त का दिल छू लेगा।

(एसेसरीज एक्सपर्ट राही महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

प्यारे दोस्तों के लिए अट्रैक्टिव फ्रेंडशिप बैंड्स

ट्रेंड
श्रुति

बदलते ट्रेंड के साथ फ्रेंडशिप बैंड्स भी बदलते जा रहे हैं। अब इन बैंड्स में कई लेटेस्ट वैरायटीज भी अवेलेबल हैं, जो काफी अट्रैक्टिव लगती हैं। आप इनमें से कोई भी अपने प्यारे फ्रेंड के लिए चुन सकती हैं। मार्केट में खूबसूरत फ्रेंडशिप बैंड्स की ढेरों वैरायटी देखने को मिल रही हैं। इनमें सिंपल से लेकर डिजाइनर लुक तक की बड़ी रेंज मौजूद हैं। इन्हें फ्रेंडशिप के अलावा नॉर्मल डेज में भी बांधा जा सकता है।

थ्रेड बैंड्स: सबसे क्लासिक और इमोशनल टच वाला बैंड माना जाता हैं थ्रेड फ्रेंडशिप बैंड। थ्रेड वाले क्रोशिए के ब्रांडेड फ्रेंडशिप बैंड्स आउट ऑफ फैशन नहीं होते। थ्रेड्स को अलग-अलग रंगों में नॉट करके ब्रेडेड स्टाइल दी जाती हैं। इनमें आपको ढेरों कलर और डिजाइन की वैरायटी मिल जाएगी। वैसे आजकल मल्टीकलर थ्रेड बैंड्स, सिंगल कलर क्लासिक स्टाइल, ट्राइबल थ्रेड बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं।

चार्म ब्रेसलेट स्टाइल बैंड्स: चार्म बैंड्स युवा महिलाओं और कॉलेज गोइंग गर्ल्स के बीच बहुत ज्यादा पॉपुलर हैं। चार्म बैंड्स एक तरह के फ्रेंडशिप ब्रेसलेट होते हैं, जिनमें छोटे-छोटे मेटल, बीड या एक्रेलिक आइकन या फिगर लटकाए जाते हैं जैसे म्यूजिक नोटबुक, बटरफ्लाई मून, कॉफी कप, एनिमल, स्टार, कोट्स, एविल आई, लॉक-की, हार्ट या इंस्पायरिंग वर्ड आदि। इन्हें लकी चार्म माना जाता है। हर चार्म का कोई न कोई मतलब होता हैं। इन्हें एथनिक और इंडो वेस्टर्न दोनों स्टाइल की ड्रेस के साथ मैच किया जा सकता हैं। ये बैंड्स, लेयर्ड चेन या सिल्वर कंगन के साथ भी अच्छे लगते हैं। इस तरह के बैंड्स में, इनिशियल और मल्टी लेयर चार्म बैंड्स काफी ट्रेंड में हैं। इसमें एक नहीं बल्कि चार-पांच चार्म फिगर लगे होते हैं, जो आपको अलग लुक देंगे।

डिजिटल फ्रेंडशिप बैंड्स: ये सबसे अलग और इनोवेटिव फ्रेंडशिप बैंड्स हैं, जो आजकल काफी छाए हुए हैं। इस तरह के बैंड्स आप अपने फ्रेंड को दे सकती हैं। ये बैंड्स दिखने में बेहद स्टाइलिश लगते हैं। ये ऐसे बैंड होते हैं, जिसमें एक छोटा क्यू आर कोड प्रिंट या एम्बेडेड किया गया होता है। उस क्यू आर कोड को स्कैन किया जाता है तो वह आपकी ओर से रेडी किया गया कोई मैसेज, फोटो, वीडियो क्लिप, लिंक को खोलता है। ये बैंड्स आमतौर पर सिलिकॉन, लेदर या वाटरप्रूफ फैब्रिक के बने होते हैं। इन पर क्यूआर कोड को आर्ट की तरह डिजाइन किया जाता है।

(एसेसरीज एक्सपर्ट स्मिता महेश्वरी से बातचीत पर आधारित)

जन्म के बाद नवजात शिशु को पर्याप्त पोषण मिले, इसके लिए जरूरी है कि मां की डाइट भी न्यूट्रिशस हो। वर्ल्ड ब्रेस्ट फीडिंग वीक (1-7 अगस्त) के मौके पर आपको दे रहे हैं यूजफुल सजेशंस।

ब्रेस्ट फीडिंग के दौरान ऐसी हो मां की डाइट

डाइट सजेशन
ललिता गोयल

बच्चे को जन्म देने के बाद हर मां चाहती है कि उसका शिशु हमेशा स्वस्थ रहे। इसके लिए शुरुआत के कुछ महीने मां का दूध सबसे अहम होता है। मां का दूध किसी भी नवजात शिशु की पहली खुराक होता है, जो उसे पोषण देने के अलावा उसकी इम्यूनिटी को मजबूत करता है और उसे बीमारियों से बचाता है। लेकिन क्या आप जानती हैं कि ब्रेस्ट फीडिंग के दौरान मां का खान-पान भी शिशु की सेहत से जुड़ा होता है? मां जैसी डाइट लेगी, शिशु को वैसा ही पोषण मिलेगा। ऐसे में जरूरी है कि स्तनपान कराने वाली मांओं की खुराक ऐसी होनी चाहिए, जो मिल्क सप्लाई को बढ़ाए और मां-बच्चे दोनों की पोषक जरूरतों को पूरा कर सके। आइए जानते हैं लैक्टेटिंग मदर का डाइट प्लान कैसा होना चाहिए?

इन्हें करें डाइट में शामिल: ब्रेस्टफीडिंग के दौरान मां को प्रोटीन से भरपूर खुराक लेनी चाहिए। यह मांस-पेशियों को मजबूती प्रदान करता है।

- ब्रेकफास्ट में मूंग दाल, पनीर सैंडविच या ओटमील ले सकती हैं। ओटमील, मिल्क सप्लाई बढ़ाने में मददगार होता है। साथ में एक मुट्ठी भिगोया हुआ मेवा और एक गिलास गुनगुना दूध ले सकती हैं।
- लंच और डिनर में लैक्टेटिंग मदर रागी, ज्वार और गेहूं के आटे से बनी रोटी, हरी सब्जियां जैसे पालक, बथुआ, सरसों का साग, मेथी का साग आदि खा सकती हैं। इससे उन्हें एनर्जी और फाइबर मिलेगा। हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन, कैल्शियम, विटामिन सी का अच्छा स्रोत होती हैं। इसके अलावा वे दही और चिया सीड्स भी ले सकती हैं।
- शाम के समय स्तनपान कराने वाली मांएं केला, संतरा, नाशपाती, आड़ू, सेब, खरबूजा, चीकू, आम, एवोकाडो आदि फल खा सकती हैं। ये फल ब्रेस्ट फीडिंग मदर के लिए बहुत सेहतमंद होते हैं।
- स्तनपान कराने वाली मांओं को अपनी डाइट में आयरन रिच फूड्स लेने चाहिए। इसके लिए आयरन के कुछ सामान्य स्रोत जैसे दालें, फलियां, हरी पत्तेदार सब्जियां, तरबूज, अंडा और रेड मीट इत्यादि शामिल किए जा सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान: फीड कराने वाली मांओं को कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए।

- दिन में तकरीबन तीन बार पोषक आहार लें और नाश्ते को कभी स्किप न करें। इसके अलावा दो से तीन बार हल्की खुराक भी लेनी चाहिए।
- ज्यादा शुगर और फैट वाले आहार को कम मात्रा में लें।
- आलू के चिप्स, चॉकलेट, केक और सॉफ्ट ड्रिंक्स जैसे हाई फैट और शुगर वाली चीजों को ना लें या कम खाएं।
- अल्कोहल और धूम्रपान से बचें।
- स्तनपान के दौरान डाइटिंग करने से बचें।
- दूध और उससे बने प्रोडक्ट्स जैसे दही, पनीर को रोजाना की डाइट में शामिल करें। बादाम, अखरोट, काजू जैसे सूखे मेवे, मौसमी फल और हरी सब्जियां भी जरूर लें।
- शरीर को हाइड्रेट रखें, इसके लिए दिनभर में कम से कम 7-8 गिलास पानी पिएं। साथ ही, नारियल पानी, नीबू पानी जैसे हेल्दी ड्रिंक्स लें।
- इस दौरान ओमेगा-3 युक्त फूड्स जैसे अलसी के बीज या फिश का सेवन भी फायदेमंद रहता है।

(डाइटीशियन शीला सहरावत से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

नारनौल। साधुओं को प्रसाद कराने के बाद भेंट देते चरणाईनाथ महाराज।

बाबा निहलाई नाथ की बरसी मनाई

नारनौल। नांगलकाठा में सोमवार को बाबा निहलाई नाथ की बरसी मनाई गई। उनकी पुण्य तिथि पर अनेक साधु संत नांगलकाठा आए हुए थे। गांव नांगलकाठा में बने धूणे पर बाबा निहलाईनाथ वर्षों तक रहे और धार्मिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया।वह धूणे पर ग्रामीणों के सामूहिक प्रयासों से वह हर साल एक भंडारा लगवाते थे, जिसमें खीर जलेबी का प्रसाद बनता था। उन्होंने अपना उत्तराधिकारी महंत चरणाई नाथ को बनाया था, जिन्होंने सोमवार को श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। आए हुए साधु संतों को उन्होंने प्रसाद करवाया तथा उनको भेंट पूजा देकर उनका मान-सम्मान किया और उन्हें विधि-विधान से विदा किया।

पाथेड़ा स्कूल में किया पौधरोपण

कनीना। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पाथेड़ा में सोमवार को क्षेत्र के एक सामाजिक संगठन की ओर से पौधारोपण किया गया। इस बारे में विजय शर्मा ने बताया कि वृक्ष पृथ्वी का श्रृंगार हैं। प्रत्येक विद्यार्थी बरसात के समय एक एक पौधा जरूर लगाए व उसकी देखभाल करे। उनकी ओर से विभिन्न प्रजाति के दर्जनभर पौधे लगाए गए। हार्दिक दीवान ने कहा कि उनकी संस्था की ओर से समाजसेवा के क्षेत्र में विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इस मौके पर कृष्ण कुमार, शैलेंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, साहिल, प्रियंका आदि मौजूद थे।

खासपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21000 की नकद राशि व विजेता ट्रॉफी जीती

खासपुर में तीज मेला आयोजित, स्पर्धा में 35 टीमों ने लिया भाग

बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। प्रतियोगिता के विजेता खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए व प्रतियोगिता की विजेता छात्राओ को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

श्री शनि शक्ति धाम खासपुर में तीज के पावन अवसर पर एक भव्य व ऐतिहासिक मेले का आयोजन हुआ। जिसने धार्मिक आस्था, ग्रामीण खेल प्रतिभाओं व सामाजिक एकजुटता को नई पहचान दी। यह आयोजन पूरे क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र रहा। आयोजन समिति के यशवीर यादव व अरविंद शर्मा ने बताया कि इस अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे की व्यवस्था की गई। बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले, सांस्कृतिक कार्यक्रम व विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गई। वॉलीबॉल प्रतियोगिता में दिल्ली, हरियाणा व राजस्थान की कुल 35 टीमों ने भाग लिया। खासपुर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 21000 की नकद राशि व विजेता ट्रॉफी प्राप्त की। द्वितीय टीम को 11000 की इनामी राशि प्रदान की गई।

मंत्री अरविंद शर्मा ने फोन के माध्यम से 51000 की नकद राशि देने की घोषणा की, जो किसी कारणवश मेला स्थल पर नहीं पहुंच सके। महिला वॉलीबॉल मुकाबले में महरमपुर की टीम विजेता रही, जबकि लार्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल सिहमा की टीम उपविजेता बनी। प्रो कबड्डी प्रतियोगिता में राजीव गांधी स्टेडियम रोहतक की टीम विजेता बनी। जिसे 15000 की राशि दी गई, जबकि नीरपुर शिव शक्ति स्पोर्ट्स अकादमी को 7100 का द्वितीय पुरस्कार मिला। विजेताओं को ट्रॉफी माजरी धाम सरकार के सुमित गिरी महाराज ने भेंट की। माजरी धाम सरकार ने श्री शनि शक्ति धाम खासपुर को 11000 रुपये की भेंट भी दी। कुश्ती दंगल में विशाल नूनी व बीरेंद्र खरौली के बीच का मुकाबला दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक रहा और बराबरी पर समाप्त हुआ। यह दंगल रात 10 बजे तक चला। जिसके लिए शर्मा टैंट हाउस सिहमा की ओर से विशेष प्रकाश व्यवस्था की गई थी। द इंडियन एंथ्रोपोलॉजिस्ट डॉ. सुधीर की ओर से प्रायोजित दौड़ प्रतियोगिता में पुरुष व महिला दोनों वर्गों में शानदार प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। पुरुष वर्ग में हेमंत मेघनवास ने प्रथम स्थान प्राप्त कर 3100, बबलू सेका ने द्वितीय स्थान के लिए 2100 व अंकित चौहान खासपुर ने तृतीय स्थान पर 1100 प्राप्त किए। हिमांशु शहरपुर व डॉ. सुधीर को क्रमशः चौथा व पांचवे स्थान पर 500-500 की नकद राशि व टी शर्ट भेंट की गई। महिला वर्ग में अनीता हिसार ने प्रथम 3100 का पुरस्कार मिला। निशु खासपुर द्वितीय व रौनक खासपुर तृतीय को क्रमशः 2100 व 1100 की राशि प्राप्त की। तीनों को विशेष टी शर्ट भी प्रदान की गई।

श्रीशनि शक्ति धाम खासपुर के लिए विशेष भजन लॉन्च

हरियाणवी सिंगर साहिल सैनी नारनौलिया ने श्री शनि शक्ति धाम खासपुर पर आधारित एक विशेष भजन लॉन्च किया। जिसे श्रद्धालुओं ने खूब सराहा। मेले की गरिमा बढ़ाने के लिए विधायक ओमप्रकाश यादव, जिला प्रमुख डॉ. राकेश कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति दर्ज कराई। प्लैटिनम मोटोकॉर्प मारुति चीफ जनरल मैनेजर संजय शर्मा, मास्टर ओमप्रकाश छापड़ा सलीमपुर, सरपंच प्रमोद प्रधान सिंहमा ब्लॉक, सरपंच मोनू फैजाबाद, सरपंच जीतपाल अटाली, सरपंच इंद्रजीत खामपुरा, डॉ. प्रतीक, दीपक व शिव मित्तल भी मेले में मौजूद रहे।

झूलों की निःशुल्क व्यवस्था

रामौतार यादव, भालसिंह व बजरंग लाल यादव ने बताया कि मेले में श्रमदान करने वाले बच्चों के लिए बड़े झूलों की निःशुल्क व्यवस्था की गई। जिससे सभी बच्चों ने आनंद उठाया। यह व्यवस्था मेला कमेटी की ओर से की गई थी। कोच व रेफरी की भूमिका सोनू कुटबापुर, जॉन सिंह, राज पांच, गुलशन मास्टर, सतपाल, सुनील जांगड़ा, दीपक ने निभाई। मंच संचालन सत्यनारायण गुरुजी, यशवीर व बंटी ने संयुक्त रूप से किया। टीमों का पूरा मैच कार्यक्रम मुकेश जांगड़ा व सतबीर थानेदार ने संभाला। सभी अतिथियों का स्वागत डॉ. जसवीर ने किया। सरपंच रीना देहरान ने कहा कि यह मेला केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र की एकता, संस्कृति व श्रद्धा का प्रतीक बन गया।

श्री गोपाल गोशाला बुचियावाली में तीज महोत्सव मेला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित करते अतिथि। फोटो : हरिभूमि

श्री गोपाल गोशाला बुचियावाली (बालाजी धाम) महेंद्रगढ़ के प्रांगण में हरियाली तीज महोत्सव मेले का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि आरपीएस ग्रुप आफ एजुकेशन के डिप्टी सीईओ कुनाल राव थे। जबकि अध्यक्षता प्रमुख समाजसेवी महेश यादव ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में नगरपालिका प्रधान रमेश सैनी भी वहां पहुंचे।

मुख्य अतिथि कुनाल राव सीईओ एवं नपा प्रधान रमेश सैनी ने बताया कि यह पर्व विशेष कर महिलाओं के लिए होता है जो अपने पति की लंबी उम्र के लिए भगवान शंकर पार्वती की पूजा करती है तथा कुंवारी कन्याएं अच्छे वर की प्राप्ति के लिए व्रत रखती हैं। इस पर्व पर महिलाओं द्वारा झूला झूलना, मेहंदी लगाना, सावन के गीत गाना तथा पुरुषों के द्वारा पतंगबाजी करने की परंपरा भी है।

कबड्डी में आरके अलवर प्रथम, मिले 31 हजार रुपये

- कामड़े की 21 हजार रुपये की कुश्ती में महराण के पहलवान टिंकू व मोहित छितरौली के बीच बराबरी पर छूटी

हरिभूमि न्यूज ⏭ मंडी अटेली

मंडी अटेली। कुश्ती दंगल में पहलवानों के हाथ मिलाते मेला कमेटी सदस्य।

अटेली क्षेत्र से सटे गांव डूमरोली में ठाकुर वाले जोहड़ पर गांव की ओर से मेला व कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। मेले में बाबा का जागरण व भंडारा भी हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि मोहित यादव रहे। कबड्डी में प्रथम रहने वाली आरके अलवर को 31 हजार तथा कामड़े की 21 हजार रुपये की कुश्ती में महराण के पहलवान टिंकू व मोहित छितरौली के बीच बराबरी पर छूटी। मेले में हरियाणा, राजस्थान के विभिन्न जिले से खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। मेले में रेफरी के रूप में नानक सिंह ने निर्णय दिये। मेला कमेटी के प्रधान रोशनलाल रामदेव ने बताया कि कबड्डी में दूसरे स्थान पर संदीप नरवाल रही, जिसे 21 हजार व तीसरे स्थान पर रहने वाली अलवर-2 को 11 हजार रुपये का पुरस्कार मेला कमेटी द्वारा प्रदान किया गया। मेले में 11 हजार रुपये दो कुश्तियां हुई, जिसमें डूमरोली के पहलवान ने गौरव मानेसर को हराया, जिसको दर्शकों ने खूब सरहाया। वहीं दूसरी 11 हजार रुपये की कुश्ती में गोलू ने संदीप को हराया। गायक कलाकार मुकेश फौजी मिस गरिमा आदि ने अपनी प्रस्तुतियों से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध व भाव विभोर कर दिया। मेले में 60 वर्ष के बुजुर्ग की दौड़, लंबी, ऊंची कूद के विजेताओं को भी इनाम दी गई। इस मौके पर नरेश शर्मा, सरपंच सुनील, राजकुमार, सुमेंद्र मास्टर, प्रदीप, संजय नंबरदार, मुकेश कुमार, अमीलाल व शिवचरण सहित अनेक गणमान्य लोग व पहलवान मौजूद रहे।

एमएस मेमोरियल स्कूल में नेत्र जांच शिविर आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। नेत्र रोगियों की जांच करते हुए। फोटो : हरिभूमि

एमएस मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सिगड़ी में सोमवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 280 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिसमें 24 व्यक्तियों को मोतियाबिंद पाया गया, जिनका एक और चार अगस्त को रीति आई केयर अस्पताल रेवाड़ी में निःशुल्क आपरेशन किया जाएगा। एमएस मेमोरियल स्कूल के संचालक नरेंद्र राव ने 48 मरीजों को मुफ्त चश्मे व 80 लोगों को दवाई वितरित की।

संस्था के सभी छात्र व छात्राओं की नेत्र जांच की गई। संस्था प्राचार्य कृष्ण कुमार ने संस्था के बच्चों को मोबाइल फोन, टीवी कम से कम देखने की सलाह दी गई। इस कार्यक्रम के मुख्यातिथि खाद्य व आपूर्ति विभाग के निरीक्षक राव ध्यान सिंह रहे। संपूर्ण स्टाफ ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और सफल बनाया। संस्था संचालक नरेंद्र राव ने कहा कि मनुष्य की आंखें बड़ी ही अनमोल है। इन आंखों से पूरा संसार देखा जाता है, इसलिए उनको केयर उनकी सुरक्षा के लिए आंखों की समय-समय पर जांच करवाते रहने चाहिए और आंखों के बिना संसार अधूरा हैं।

महेंद्रगढ़। विजेता बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

बचपन प्ले स्कूल में किया मानसून-डे सेलिब्रेशन

महेंद्रगढ़। बचपन प्ले स्कूल में मानसून-डे सेलिब्रेशन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एलकेजी और नर्सरी कक्षा के बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता भी करवाई गई, जिसमें लगभग 150 बच्चों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के सभी मेधावी बच्चों को विद्यालय की ओर से प्रशस्ति पत्र और उपहार आदि देकर सम्मानित किया गया। चेयरमैन रमेश सैनी एवं चेयरपर्सन निशा सैनी ने बताया कि विद्यालय में आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता विशेषकर छोटे बच्चों के लिए होती है। निर्णायक मंडल के अनुसार फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर देवयानी, मिशिका, आर्निक द्वितीय स्थान पर कावीं, अमायरा, जिज्ञासा, भूमि एवं तृतीय स्थान पर पावनी, योहानवीर, कवि रहे। मौके पर प्राचार्या ज्योति शर्मा, बचपन हेड रूपाली अरोड़ा, उप प्राचार्या मोनिका दीवान, प्रवक्ता अमरसिंह सोनी, पूनम गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

यदुवंशी स्कूल में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर विविध गतिविधियां आयोजित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। पौधों की देखभाल करते स्कूल के विद्यार्थी।

शहर के बुचौली रोड स्थित यदुवंशी स्कूल में विश्व प्रकृति दिवस के अवसर पर छात्रों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने हेतु विविध गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर स्कूल के प्रांगण में वृक्षारोपण, पोस्टर मेकिंग, स्लोगन लेखन जैसी रचनात्मक गतिविधियां सम्पन्न हुई। छात्रों ने प्रकृति है तो भविष्य है, धरती बचाओ, जीवन बचाओ जैसे प्रेरणादायक स्लोगनों के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

कक्षा अनुसार विभिन्न विषयों पर पोस्टर बनाकर छात्रों ने प्रदूषण, जल संरक्षण तथा वृक्षारोपण कर वनों की रक्षा जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डाला। प्राचार्य पवन कुमार ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना हम सब की जिम्मेदारी है।

ग्रुप के चेयरमैन एवं पूर्व विधायक राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि आज की युवा पीढी ही आने वाले समय की संरक्षक है। यदि हम आज प्रकृति को बचाएंगे तभी हमारा भविष्य सुरक्षित होगा। इस मौके पर वाइस चेयरमैन एडवोकेट कर्ण सिंह यादव, वाइस चेयरपर्सन संगीता यादव, ग्रुप निदेशक विजय सिंह यादव, फाउंडर डायरेक्टर डॉ. राजेन्द्र सिंह यादव ने सभी विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण के लिए प्रेरित किया।

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में भाग लेते स्कूल के विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

गैलेक्सी स्कूल में हरियाली तीज आयोजित

महेंद्रगढ़। गांव बवानिया स्थित गैलेक्सी स्कूल बवानिया में हरियाली तीज के अवसर पर मेहंदी व पतंग उड़ाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छठीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। प्राचार्य करन सिंह ने बताया कि विद्यालय में समय-समय पर ऐसी प्रतियोगिता आयोजित की जाती है, जिससे बच्चों की प्रतिभा निखर सके। चेयरमैन दरियाव सिंह ने बताया कि त्योंहारों पर सजावट और उन्हें मनाने के तरीके हमारी परंपराओं का हिस्सा है, जो हमारे परिवेश, भावनाओं और धार्मिक मान्यताओं से जुड़ी हुई है।

बाल नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

महेंद्रगढ़। राव सुल्तान सिंह मेमोरियल किड्स प्ले स्कूल निम्बहेड़ा में बाल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। संस्था निदेशक एडवोकेट सतपाल यादव और चेयरपर्सन सुषमा यादव मुख्यातिथि के रूप में मौजूद रहे। जब उन्होंने बच्चों को नृत्य करते देखा, तो वे आश्चर्यचकित रह गए और कहा कि यदि बच्चों को उचित मार्गदर्शन दिया जाए, तो वे कुछ भी कर सकते हैं। विद्यालय का उद्देश्य बच्चों को खेल-खेल के माध्यम से शिक्षा देना और उनके सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना है। एडवोकेट सतपाल यादव ने कहा कि जब ये बच्चे बड़े होंगे, तो वे अपनी रुचि के अनुसार विषय लेकर आगे बढ़ सकते हैं और निश्चित रूप से सफल होंगे। विद्यालय बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करता है। इस अवसर पर किड्स हेड स्नेहलता, सुनीता, मोनिका, पूनम, वंदना, बबीता, सरोज और समस्त स्टाफ मौजूद रहे।

महेंद्रगढ़। झूला झूलते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। पौधा भेंट करती डॉ. कृष्णा आर्या। फोटो : हरिभूमि

स्कूली बच्चों को बताई गुरु परम्परा नैतिक चरित्र और संस्कार की बातें

नारनौल। भारतीय शिक्षण मंडल सदस्य डॉ. कृष्णा कुमारी आर्या ने सावन मास में प्रतिदिन विद्या के एक मन्दिर में जाने के संकल्प के साथ विभिन्न स्कूलों में जाकर व्यास गुरु पूजा प्रकल्प के तहत विद्यार्थियों को शुभ संस्कार सिखा रही हैं। इस दौरान नैतिक चरित्र व नशामुक्ति का संकल्प दिला रही हैं। इसी कड़ी में भारतीय शिक्षण मंडल प्रतिनिधि डॉ. कृष्णा कुमारी आर्या ने सर्वोदय हाई स्कूल में पहुंचकर बच्चों को गुरु परम्परा, नैतिक चरित्र निर्माण व संस्कार निर्माण की बातें बताई। डॉ. कृष्णा आर्या ने बताया कि भारतीय शिक्षण मंडल ने गुरु वेदव्यास की जयंती पर स्कूलों में जाकर बच्चों को व्यास परंपरा व गुरु की गरिमा पर व्याख्यानमाला का सुन्दर अभियान चलाया है। जिसके तहत प्रेरक वक्ता विद्यालयों में जाकर गुरु की महिमा पर वक्तव्य देंगे और बच्चों की दिनचर्या, व्यवहार व विचारों में परिवर्तन लाकर उन्हें अच्छा नागरिक बनाने के लिए प्रयास करेंगे। डॉ. कृष्णा आर्या ने गुरु की महिमा पर विस्तृत डाला। उन्होंने कहा कि प्रातः जल्दी उठना, धरती माता का स्पर्श कर माता पिता, गुरु के चरण छूना, गुरुजनों का सम्मान करने से आयु, विद्या, यश व बल बढ़ते है। उन्होंने विद्यालय निदेशक दलजीत शास्त्री व प्राचार्या मनीषा शर्मा को पौधा भेंट किया व विद्यालय प्रांगण में पौधारोपण किया। इस अवसर पर संस्थान के निदेशक दलजीत शास्त्री ने शिक्षाविद डॉ. कृष्णा आर्या का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में दलजीत शास्त्री, सुबोधकांत, मनीषा शर्मा, प्रीति देवी, सुबेसिंह, सुनील, ममता, बबीता, बिमलेश, हेमलता, प्रियंका, मुस्कान, धापली, शालू, रीना आदि मौजूद थे।

सूचना

मैं, बलवान सिंह पुत्र श्री सोहनलाल निवासी कैमला तह. कनीना जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरा पुत्र रवि व पुत्रवधु श्रीमती पूनम और मेरा पुत्र दिपक मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

सार्वजनिक सूचना

मै रमेश कुमार पुत्र मांगे राम वासी निवाजनगर तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा बयान करता हूं कि मेरा पुत्र सूर्या मेरे कहे अनुसार नहीं चलता है और मेरी कोई बात नही मानता है। इसलिए मै उसको अपनी चल–अचल संपत्ति से पूर्णतया बेदखल करता हूं। भविष्य में इससे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

गहली स्कूल में युवा संसद आयोजित, विद्यार्थियों को संसदीय कार्यप्रणाली से अवगत करवाया

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

- जमीन को लेकर सरकार की नियत पर विपक्ष ने जताई शंका

नारनौल। युवा संसद में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

एससीईआरटी गुरुग्राम के निर्देशन व डाईट महेंद्रगढ़ के तत्वावधान में जिले में चल रही युवा संसद प्रतियोगिताओं की कड़ी में सोमवार को राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय गहली में युवा संसद का आयोजन किया गया। पर्यवेक्षक डॉ. संजय शर्मा ने बताया कि गहली स्कूल से युवा संसद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसका शुभारम्भ प्राचार्या संतोष कुमारी व डाईट प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार ने किया। पर्यवेक्षक के रूप में राजनीति विज्ञान के प्रवक्ता डॉ. संजय शर्मा, स्टेट अवार्डी प्रवक्ता डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज, डाईट प्रवक्ता जितेन्द्र कुमार बोहरा उपस्थित रहे। संयोजन विद्यालय के राजनीति विज्ञान प्रवक्ता बजरंग लाल ने किया। विंग हैड डॉ. नरेश गुप्ता के निर्देशन में जिलेभर में यूथ पार्लियामेंट का कार्यक्रम चल रहा है।

इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि युवा संसद का मुख्य महत्व छात्रों को संसदीय प्रक्रियाओं व लोकतांत्रिक मूल्यों की समझ प्रदान करना है। जिससे उनमें नेतृत्व कौशल, नागरिक जागरूकता व सार्वजनिक बोलने की क्षमता विकसित होती है। डॉ. जितेन्द्र भारद्वाज ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को राष्ट्रीय व स्थानीय मुद्दों पर अपनी राय व्यक्त करने और बहस करने का एक मंच भी प्रदान करता है। जितेन्द्र बोहरा ने कहा कि युवा संसद का उद्देश्य छात्रों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया व संसदीय कार्यप्रणाली से परिचित कराना है।

जियो फेसिंग हाजिरी के विरोध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी आंदोलन की राह पर

खास बातें
- जियो फेसिंग हाजिरी के विरोध में गत 20 जुलाई को आयोजित वर्चुअल मीटिंग में लिया था आंदोलन का निर्णय

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार को ज्ञापन सौंपता स्टॉफ।

स्वास्थ्य विभाग अधिकारी-कर्मचारी तालमेल कमेटी हरियाणा के आह्वान पर निजी संसाधनों माध्यम से जियो फेसिंग लोकशन आधारित उपस्थिति दर्ज करवाने के आदेशों को वापिस नही लेने के विरोध में प्रातः 10 बजे से 11 बजे तक एक घण्टा काले रिबन लगाकर विरोध दर्ज कराया गया। इस दौरान विभाग में कार्यरत सभी चिकित्सकों, फार्मेसी अधिकारियों, तकनीकी अधिकारियों, नर्सिंग अधिकारियों, रेडियोलोजी अधिकारियों, लिपिकीय स्टॉफ, एनएचएम कर्मचारियों, एचकेआरएल कर्मचारियों इत्यादि द्वारा काले रिबन अपने बाजुओं एवं कमीज की जेब पर लगाकर अपना कार्य किया गया। बाद में हरियाणा सिविल मेडिकल एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष डा. जगमोहन यादव की अध्यक्षता में सिविल सर्जन डा. अशोक कुमार को अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्वास्थ्य विभाग चण्डीगढ़ तथा महानिदेशक स्वास्थ्य सेवाएं पंचकुला के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया। डा. जगमोहन सिंह ने बताया कि गत आठ जुलाई को स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत चिकित्सकों व स्वास्थ्य विभाग के सभी संगठनों पर आधारित स्वास्थ्य विभाग अधिकारी-कर्मचारी तालमेल कमेटी हरियाणा के प्रतिनिधियों को स्वास्थ्य मन्त्री द्वारा दिए गए आश्वासन के उपरांत भी अतिरिक्त मुख्य सचिव हरियाणा सरकार, स्वास्थ्य विभाग द्वारा अभी तक जियो फेंसिग लोकेशन आधारित उपस्थिति दर्ज करवाने के आदेशों को वापिस नहीं लिया गया है, जिसके विरोध में इसी 20 जुलाई को स्वास्थ्य विभाग अधिकारी-कर्मचारी तालमेल कमेटी हरियाणा के प्रतिनिधियों की एक वर्चुअल बैठक की गई थी, जिसमें निर्णय लिया गया था कि इसके विरोध में 28 जुलाई को स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत सभी चिकित्सक व स्वास्थ्य कर्मी काली पट्टी लगाकर विरोध प्रकट करेंगे। इसी प्रकार चार अगस्त को सुबह 10 बजे से 11 बजे तक एक घण्टे कार्य बहिष्कार करते हुए गेट मीटिंग करेंगे। यदि इसके बावजूद भी जियो-फेसिंग लोकशन आधारित उपस्थिति दर्ज करवाने के आदेशों को वापिस नही लिया गया तो पुनः 10 अगस्त को स्वास्थ्य विभाग अधिकारी-कर्मचारी तालमेल कमेटी हरियाणा की बैठक करके अगले आन्दोलन की घोषणा कर दी जाएगी, जिसकी जिम्मेवार विभाग के उच्च अधिकारी व सरकार होगी।

यह रहे मौजूद

इस अवसर पर राजकीय दंतक सर्जन एसोसिएशन से डा. रेणू यादव, डा. विकास यादव, नर्सिंग ऐसोशिसन से जिला उपप्रधान संतोष कुमार गुर्जर, स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एनएचएम से राज्य कार्यालय सचिव हरकेश, जिला अध्यक्ष डा. पुष्पेन्द्र, जिला मन्त्री विनोद राव, प्रेमप्रकाश, गौरव कक्कड़, जितेन्द्र यादव, नीतू मरोड़िया, लैब टैक्निशियन ऐसोसिएशन से जिला प्रधान अनिल यादव व ओमप्रकाश, राजकीय फार्मेसी एसोसिएशन से राज्य वरिष्ठ उपप्रधान सतपाल यादव, हरियाणा रेडियोलाजी ऑफिसर एसोसिएशन से जिला उपप्रधान विशाल कुमार व सतपाल, एमपीएचई एसोसिएशन से मुकेश कुमार, सतीश कुमार, मनोज, मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन से विजय कुमार, सन्दीप यादव, अमन कुमार, सुनील सैनी, योगेन्द्र, पंकज, अनुबन्धित स्वास्थ्य कर्मचारी संघ एचकेआरएन के राज्य अध्यक्ष भूपेश पालीवाल व विक्रम सिंह इत्यादि मोजूद रहे।

खबर संक्षेप

फतेहपुर की सुष्मिता कार्यवाहक सरपंच बनी

मंडी अटेली। अटेली क्षेत्र के गांव फतेहपुर ग्राम पंचायत की सरपंच

मोनिका की सरकारी नौकरी लगने के उपरांत गांव में सरपंच का रिक्त पद हो गया था। सरपंच के पद लिए बीडीपीओ के निर्देश पर कार्यवाहक सरपंच का सोमवार को चुनाव हुआ। इस चुनाव में सभी आठ पंचों को बुलाया गया था, जिसमें तीन पंचों ने कार्यवाहक सरपंच बनने के लिए आवेदन किए थे। जिसमें दो पंच सुमन और सीमा को खुद का वोट प्राप्त हुआ। जबकि पंच सुष्मिता पत्नी प्रवीन कुमार के पक्ष में छह पंचों ने अपनी सहमति जताई, जिसके बाद सुष्मिता को फतेहपुर का कार्यवाहक सरपंच चुना गया।

अधिवक्ताओं ने पारस शर्मा का किया स्वागत

महेंद्रगढ़। अधिवक्ताओं ने पारस शर्मा को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुसांगिक संगठन सहकार भारती में महेंद्रगढ़ जिला अध्यक्ष बनने पर उनका स्वागत किया और उनकों आगामी भविष्य की शुभकामना दी। इस मौके पर एडवोकेट राजेंद्र शेखावत, राकेश शर्मा, पूर्व प्रधान बंसीलाल यादव, सुजाता शेखावत, पूजा यादव, शशी बाला, सुनीता कुमारी, ज्योति गर्ग, राहुल कौशिक, राजेश कौशिक व अन्य अधिवक्ता पारस शर्मा को यह उपलब्धि हासिल करने पर बधाई दी।

सीएम नायब सैनी ने वर्चुअल माध्यम से किया महिलाओं को संबोधित

हरियाली तीज उत्सव में महिलाओं ने जमकर सांस्कृतिक रंग जमाया

महिलाओं ने रंग बिरंगी ड्रेस, हाथों में मेहंदी, लोक संगीत व नृत्य से यादगार बना दिया, पहले स्थान पर आने वाली एसएचजी को एक लाख से पुरस्कृत किया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। हरियाली तीज उत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करती छात्राएं व महिलाएं।

आया तीजों का त्योहार, आज मेरा वीरा आवैगा। मानसून की हल्की हल्की फुहारों के बीच लघु सचिवालय के सभागार में महिला सशक्तिकरण और राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक भव्य और जीवंत हरियाली तीज उत्सव में महिलाओं ने जमकर सांस्कृतिक रंग जमाया। इस जिला स्तरीय कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पूर्व मंत्री एवं विधायक ओमप्रकाश यादव मौजूद रहे। वहीं अंबाला में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का सीधा प्रसारण दिखाया गया। जिसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेशवासियों को तीज उत्सव की बधाई दी। कार्यक्रम के समापन पर कला एवं संस्कृति विभाग तथा हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन महेंद्रगढ़ के सौजन्य से उपस्थित महिलाओं को कोथली वितरित की गई। दोपहर बाद शुरू हुए इस उत्सव में महिलाओं ने रंग बिरंगी हरियाणवी ड्रेस, हाथों में मेहंदी, लोक संगीत और नृत्य से इसे सुंदर और यादगार बना दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ओमप्रकाश यादव ने तीज उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि तीज सिर्फ एक त्योहार नहीं बल्कि ये हमारी संस्कृति की आत्मा है। यह पारिवारिक मूल्यों, सामाजिक बंधन व हमारी परंपराओं का प्रतिनिधित्व करता है। राज्य सरकार लगातार हरियाणा की गौरवशाली विरासत को पुनर्जीवित करने के लिए लगातार कार्य कर रही है।

आठ गांवों में खुले महिला सांस्कृतिक केंद्र

लघु सचिवालय के नजदीक स्थित सभागार में आयोजित जिला स्तरीय तीज महोत्सव के दौरान जिले में आठ महिला सांस्कृतिक केंद्रों का शुभारंभ किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ये महिला सांस्कृतिक केंद्र खोले गए हैं। जिले के आठ गांवों में 62.85 करोड़ रुपये की कुल लागत से इन सांस्कृतिक केंद्रों का निर्माण किया गया। गढ़ी रूथल में 3.84 करोड़ रुपये की लागत से परियोजना पूरी हो चुकी है। इसी प्रकार तोताहेड़ी में 6.27 करोड़ रुपये, पांचनोता में आठ करोड़ रुपये, छिलरो में 10.70 करोड़ रुपये, भूषण खुर्द में 9.21 करोड़ रुपये, हाजीपुर में 9.21 करोड़ रुपये, कुतबापुर में 7.05 करोड़ रुपये, मेई में 8.57 करोड़ रुपये की लागत से इन केंद्रों का निर्माण किया गया है।

नारनौल। महिलाओं को कोथली वितरित करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

नारनौल। छात्राओं को सम्मानित करते विधायक ओमप्रकाश यादव।

स्वयं सहायता समूहों को किया सम्मानित

इस अवसर पर उत्कृष्ट स्वयं सहायता समूहों को सम्मानित किया गया। खंड सिहमा के गांव सलूनी के प्रकाश स्वयं सहायता समूह को प्रथम आने पर एक लाख रुपये, खंड नांगल चौधरी के गांव थनवास के जीवन ज्योति समूह को द्वितीय आने पर 50 हजार रुपये व खंड अटेली के गांव कांटी के बाबा नरसिंह दास समूह को तृतीय आने पर 25 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के दौरान जिले के आठ महिला सांस्कृतिक केंद्रों की शुरूआत की गई। जिला परिषद के सीईओ उदय सिंह ने मेहमानों का स्वागत किया। मंच संचालन डॉ. ममता शर्मा ने किया। इस मौके पर जिला परिषद के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार, बीजेपी के जिला अध्यक्ष यतेंद्र राव ने भी महिलाओं को संबोधित किया। इस कार्यक्रम में डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल, एक्सईएन पंचायती राज रमेश कुमार वर्मा, एसडीओ खुशबू, जिला आर्युवेदिक अधिकारी डॉ. शशि बाला, जिला कार्यक्रम अधिकारी संगीता यादव, जिला कार्यात्मक प्रबंधक ईश्वर के अलावा अन्य गणमान्य नागरिक भी मौजूद थे।

हकेंवि में इंटर डिसिप्लिनरी लाइफ साइंसेज पर क्रेंद्रित रिफ्रेशर कोर्स संपन्न

- कार्यक्रम में देश के 17 राज्यों के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से 101 प्रतिभागी शिक्षकों ने भाग लिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग-मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम (यूजीसी-एमएमटीटीपी) के अंतर्गत इंटरडिसिप्लिनरी लाइफ साइंसेज विषय पर क्रेंद्रित रिफ्रेशर कोर्स का समापन हो गया। आनलाइन माध्यम से आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश के 17 राज्यों के विभिन्न उच्च शिक्षण संस्थानों से 101 प्रतिभागी शिक्षकों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेशवर कुमार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के अंतर्गत सरकार द्वारा आरंभ की गई पहलों, बहुविषयी अध्ययन, नवाचार व उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं अंतरविषयक अध्ययन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। आयोजन के आयोजन समापन सत्र समारोह में विश्वविद्यालय के समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रो. पवन कुमार शर्मा ने अपने संबोधन में जीवन विज्ञान में अंतरविषयक दृष्टिकोण की महत्ता और उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसंधान नैतिकता की भूमिका पर बल दिया। उन्होंने प्रतिभागियों को भारत को ज्ञान महाशक्ति बनाने के लिए गुणवत्तापूर्ण और नवाचार आधारित अनुसंधान करने का आह्वान किया। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सुरेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए सभी विशेषज्ञों का आभार प्रकट किया और प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अनीता कुमारी ने कार्यक्रम के आयोजन में सक्रिय भागीदारी की। प्रतिभागियों ने इस रिफ्रेशर कोर्स की सराहना करते हुए बताया कि जीनोमिक्स, प्रोटिओमिक्स, मेटाबोलोमिक्स, सीआरआईएसपीआर, फंक्शनल फूड्स एवं न्यूट्रास्युटिकल्स तथा जीन एडिटिंग जैसे उन्नत विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर उन्होंने अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकों का ज्ञान अर्जित किया है, जिसे वे अपने संस्थानों में लागू करेंगे।

महेंद्रगढ़। रिफ्रेशर कोर्स के समापन सत्र को संबोधित करते समकुलपति प्रो. पवन कुमार शर्मा। *फोटो: हरिभूमि*

यदुवंशी कॉलेज में किया हवन

नारनौल। प्रारंभिक शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर शिक्षा पथ की मंगल शुरूआत के लिए यदुवंशी डिग्री कॉलेज पटीकरा में धर्माचार्य नरेंद्र शर्मा व आचार्य विजय पाल के दिशानिर्देशन में हवन का आयोजन करवाया गया। प्राचार्य बजरंगलाल ने बताया कि हवन समारोह से विद्यार्थियों में शिक्षा के साथ संस्कारों का विकास होगा। इस अवसर पर संस्था निदेशक सुरेश यादव, डॉ. प्रदीप यादव, उपप्राचार्या सोनल यादव, सुरेश देवी, जितेंद्र यादव आदि के साथ समस्त स्टाफ व विद्यार्थी उपस्थित थे।

अटेली तहसील में नहीं है पानी निकासी की समुचित व्यवस्था

मंडी अटेली। तहसील परिसर में बरसात के बाद खड़ा पानी। *फोटो: हरिभूमि*

- स्थानीय नागरिकों एवं अधिवक्ताओं ने पानी निकासी की समुचित व्यवस्था की मांग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| मंडी अटेली

अटेली तहसील परिसर में पानी निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बरसात के पानी का जमावड़ा बना रहता है। पानी के अधिक समय तक जमा रहने के कारण परिसर में दलदल हो जाती है। इससे आम जनता, अधिवक्ताओं और तहसील परिसर के कर्मचारियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पानी के जमावड़े से मक्खी-मच्छर की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है इसके अतिरिक्त पानी से बदबू भी आने लगती है। कस्बा निवासी अनिल कुमार, रमेश कुमार, सतीश कुमार, रामकिशन यादव, भूपेंद्र और मुकेश कुमार ने बताया कि बरसात के समय पानी का जमावड़ा जनजीवन को प्रभावित करता है। तहसील परिसर में कार्य कर रहे अधिवक्ताओं और कर्मचारियों को अपने काम में परेशानी होती है। कार्यालयों में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। स्थानीय नागरिकों एवं अधिवक्ताओं ने सरकार और प्रशासन से पानी निकासी की समुचित व्यवस्था की मांग की है।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच के लिए हो समिति का गठन

- कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न अधिनियम विषय पर कार्यशाला आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नारनौल

नारनौल। यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध व निवारण अधिनियम विषय पर जानकारी देती सीजेएम नीलम कुमारी। *फोटो: हरिभूमि*

जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेन्द्र सूरा के निर्देशानुसार व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी की अध्यक्षता में सोमवार को एडीआर सेंटर में महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम 2013 विषय) पर कर्मचारियों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया। इस अवसर पर सीजेएम नीलम कुमारी ने महिलाओं के यौन उत्पीड़न विषय पर जानकारी देते हुए कहा कि यह अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न को रोकने और निवारण के लिए एक महत्वपूर्ण कानून है। इस अधिनियम के तहतए कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की शिकायतों की जांच और निवारण के लिए आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया जाना अनिवार्य है। महिलाओं के यौन उत्पीड़न एक महत्वपूर्ण कानून है, जो कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा और गरिमा को सुनिश्चित करता है। सर्वोच्च न्यायालय ने विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान राज्य 1997 मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय में विशाखा दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशानिर्देशों में कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न को आधार बनाया। यौन उत्पीड़न की शिकायतें प्राप्त करने और उनका समाधान करने के लिए नियोक्ताओं को 10 या अधिक कर्मचारियों वाले प्रत्येक कार्यस्थल पर एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन करना आवश्यक है।

माता भूरा भवानी मंदिर में हरियाली तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया गया

- महिलाओं ने मंदिर प्रांगण में झूला-झूलते हुए तीज के पारंपरिक गीत गाए और नृत्य किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

गांव सिसोठ स्थित माता भूरा भवानी मंदिर में हरियाली तीज महोत्सव बड़ी श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस दौरान गांव की महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में सज-धजकर मंदिर प्रांगण में एकत्र होकर तीज का पर्व हर्षोल्लास से मनाया। मंदिर कमेटी के प्रधान संदीप यादव एवं सदस्य मुकेश चौहान ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रावण मास की हरियाली तीज पर विशेष आयोजन किया गया। महिलाओं ने मंदिर प्रांगण में झूला-झूलते हुए तीज के पारंपरिक गीत गाए, नृत्य किया और पर्व की खुशियों को सांझा किया। महिलाओं ने एक-दूसरे को तीज की शुभकामनाए दीं तथा मिलकर पर्व की बधाइयों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर मंदिर के महंत शक्तिनाथ महाराज द्वारा मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजवाया गया और आकर्षक झूले लगवाए गए। तेज धूप और गर्मी के बावजूद सैकड़ों की संख्या में महिलाएं इस आयोजन में भाग लेने पहुंची। महिलाओं के उल्लास, रंग-बिरंगी पोशाकों और पारंपरिक गीत-संगीत से मंदिर प्रांगण में एक जीवंत और भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजन को सफल बनाने में मंदिर कमेटी और गांव की महिलाओं का विशेष योगदान रहा। इस मौके पर सुशील, फूलवती, राजेश, गीता, मुकेश, सुमित्रा, पुष्पा, कौशल्या, संतोष, नवीता, सुचेता, बबली, कृष्णा आदि उपस्थित रही।

महेंद्रगढ़। तीज पर्व पर झूला झूलती महिलाएं। *फोटो: हरिभूमि*

बापड़ोली में शुरू हुआ कम्युनिटी मीडिएशन सेंटर

नारनौल। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से जारी दिशा निर्देशानुसार व जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष नरेंद्र सूरा के मार्गदर्शन में गांव बापड़ोली में सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र खोला गया है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नीलम कुमारी ने बताया कि जिन मुकदमों एवं दरखास्तों में मध्यस्थता के माध्यम से विवाद समाप्त होने की संभावना है, उन मुद्दों एवं दरखास्तों को सामुदायिक मध्यस्थता केंद्र के समक्ष रखा जाएगा। आमतौर पर देखा जाता है कि छोटी छोटी बातों को लेकर हुए विवाद अदालत तक पहुंच जाते हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
महेन्द्रगढ़ :- हरिभूमि कार्यालय, हुड्डा पार्क के सामने, डाक्टर भगत डैंटल अस्पताल वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, महेंद्रगढ़।
नारनौल :- सत्य प्लाजा, प्रथम तल, तरूण कलर लैब वाली गली, नजदीक बस स्टैंड, नारनौल
फोन : 8295738500, 9253681005

मापदंडों पर अनफिट क्रैशरों की डस्ट उड़ने से किसानों की फसल व स्वास्थ्य हो रहा खराब

डॉर्कजोन में नहरी पानी ही सिंचाई व पेयजल का एकमात्र विकल्प

- सदन से आश्वासन मिलने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी बने हुए हैं लापरवाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| निजामपुर

निजामपुर। खाली जोहड़ों का निरीक्षण करती विधायक मंजू चौधरी।

नांगल चौधरी हलके को डॉर्कजोन में शामिल किया गया है। जिसमें फसलों की सिंचाई और पेयजल व्यवस्था नहरी पानी पर निर्भर होती है। विभाग को जिला वाइज सप्लाई कोटा निर्धारण में महेंद्रगढ़ जिले के लिए अतिरिक्त सप्लाई का प्रबंध करना अनिवार्य है। इसके लिए सीएम नायब सिंह सैनी व सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी को पत्र लिखा गया है। उन्होंने बरसाती सीजन में सभी गांवों के जोहड़ भरने तथा कृष्णावती नदी में पानी डालने का आग्रह किया है। उक्त जानकारी नांगल चौधरी की विधायक मंजू चौधरी ने एक वार्ता में दी। दक्षिण हरियाणा में बीते 15 से 20 सालों से अच्छी बारिश नहीं हुई। दूसरी तरफ नांगल चौधरी, निजामपुर तथा सीमावर्ती गांव बसई में बजरी वाशिंग प्लांट स्थापित हो गए थे। जहां अंधाधुंध जलदोहन होने के कारण नांगल चौधरी हलके का भूजल स्तर एक हजार फीट की गहराई तक पहुंच गया है। बोरवेलों के जलस्त्रोत सूखने पर विभागीय वाटर सप्लाई के बोरवेल ठप हो गए, दूसरी तरफ कृषि बोरवेल भी बंद होने लगे हैं। अधिकांश गांवों में पेयजल संकट उत्पन्न होने के बाद सरकार ने नांगल चौधरी समेत कई ब्लॉकों को डॉर्कजोन घोषित कर दिया था। जहां कृषि बोरवेल लगाने तथा व्यवसायिक संस्थानों पर स्थानीय जल दोहन करने की अनुमति नहीं। ऐसे में ग्रामीणों की सिंचाई व पेयजल व्यवस्था नहरी पानी पर आधारित होने से सप्लाई की कई गुणा डिमांड बढ़ी है, लेकिन सरकार ने निर्धारित कोटे में कोई बढ़ोतरी नहीं की, समान जल वितरण प्रक्रिया का अनुसरण हो रहा है। सप्लाई की मात्रा बढ़ाने के लिए सीएम व सिंचाई मंत्री को पत्र लिखा गया है। उन्होंने कहा कि नांगल चौधरी हलके के नलवाटी, दोहान पच्चीसी व नोलपुर डिस्ट्रीब्यूटरी के कई गांव नहरी पानी से वंचित है। कई गांव तो नहरों से अटेच नहीं, बावजूद टेल तक पानी पहुंचने का ढिंढोरा पीटकर सरकार को गुमराह किया गया है।

क्रैशरों की डस्ट से किसानों की फसल प्रभावित

विधायक मंजू चौधरी ने कहा कि क्रैशर संचालन के लिए मापदंड निर्धारित हैं, लेकिन नांगल चौधरी हलके में चल रहे अधिकांश क्रैशरों पर नियमों की पालना नहीं होती। जिस कारण करीब 15 गांवों में डस्ट उड़ने की समस्या बनी रहने से ग्रामीणों की फसल और स्वास्थ्य खराब हो रहा है। समस्या से सदन को अवगत कराने के बावजूद स्थिति यथावत रहना चिंतनीय है।